अनुलग्नक:

क्रम संख्या	शीर्षक	डाउनलोड/लिंक	Date of Issue
1	बहुधा पूछे जाने वाले प्रश्न	डाउनलोड (614.38 KB)	14 Jul 2021

- पी. एस. इस पोर्टल में माओवाद के बारे में सभी संदर्भ सी पी आई (माओवादी) तथा विधि-विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 के अंतर्गत आतंकवादी संगठनों की अनुसूची में शामिल अन्यि वामपंथी उग्रवादी संगठनों के संदर्भ में हैं।

प्रश्न 1 :माओवाद क्या है?

उत्तर : माओवाद माओत्से तुंग द्वारा विकसित साम्यवाद का एक रूप है। यह सशस्त्र विद्रोह, जन संघटन तथा रणनीतिक गठबंधनों के माध्यम से राज्य की सत्ता को हथियाने का एक सिद्धान्त है। माओवादी अपने विद्रोह के सिद्धांत के अन्य संघटकों का प्रयोग राज्य संस्थाओं के विरुद्ध दुष्प्रचार और गलत सूचना के रूप में करते हैं। माओ ने इस प्रक्रिया को 'प्रोट्रेक्टेड पिपल्स वार' की संज्ञा दी जहां सत्ता हथियाने के लिए 'मिलेट्री लाइन' पर जोर दिया जाता है।

प्रश्न 2 : माओवादी विचारधारा की मुख्य बात (थीम) क्या है?

उत्तर : माओवादी विचारधारा की मुख्य थीम राज्य की सत्ता को हथियाने के लिए हिंसा और विद्रोह का एक औजार के रूप में सहारा लेना है। माओवादी विद्रोह के सिद्धान्त के अनुसार 'शस्त्र धारण करना अपरक्राम्य है'। माओवादी विचारधारा हिंसा को महिमामंडित करती है तथा अपने आधिपत्य वाले क्षेत्र में लोगों में आतंक फैलाने के लिए हिंसा के जघन्यतम रूपों में पीपल्स गुरिल्ला आर्मी (पी एल जी ए) के कॉडरों को विशिष्ट रूप से प्रशिक्षित किया जाता है। तथापि, वे मौजूदा प्रणाली की कमियों के मुद्दों के बारे में लोगों को एकजुट करने का बहाना करते हैं ताकि निराकरण के साधन के रूप में केवल हिंसा का सहारा लेने के सिद्धांत को उनके मन में बैठाया जा सके।

प्रश्न 3 : भारतीय माओवादी कौन हैं?

उत्तर : भारत में सबसे बड़ा और सबसे हिंसक माओवादी संगठन कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (माओवादी) है। सी पी आई (माओवादी) अनेक अलग-अलग गुटों का समूह है जिनका 2004 में दो सबसे बड़े माओवादी गुटों-कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) पी डब्ल्यू तथा एम सी सी आई में विलय हो गया। सी पी आई (माओवादी) तथा इसके सभी गुटों को विधि-विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 के अंतर्गत प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों की सूची में शामिल किया गया है।

प्रश्न 4 : सी पी आई (माओवादी) का पार्टी ढांचा क्या है?

उत्तर : केन्द्रीय स्तर पर पार्टी ढांचे में केन्द्रीय समिति (सी सी), पोलितब्यूरो (पी बी) और सेंट्रल मिलिट्री कमीशन (सी एम सी) शामिल हैं।

निम्नलिखित विभाग सी. एम. सी. के सीधे कमान्ड में हैं :

- केन्द्रीय तकनीकी समिति
- क्षेत्रीय कमान (आर सी)।
- विशेष कार्य दल (एस ए टी)। (हत्या दस्ते)
- सैन्य आसूचना (एम आई)।
- 'जंग' का प्रकाशन और सम्पादकीय बोर्ड।
- केन्द्रीय सैन्य अनुदेशक दल (सी एम आई टी)।
- संचार।
- टैक्टीकल काउंटर आफेंसिव कैम्पेन (टी सी ओ सी)।
- पीपल्स लिब्रेशन गुरिल्ला आर्मी (पी एल जी ए)।
- सी पी आई (माओवादी) का एक आसूचना ढांचा भी है जिसे पीपल्स सिक्युरिटी सर्विस (पी एस एस) के नाम से जाना जाता

- राज्य स्तर पर राज्य समितियां, राज्य सैन्य आयोग आदि हैं जो नीचे जोनल कमेटी, एरिया कमेटी आदि के स्तर तक हैं।

प्रश्न 5 :पी. एल. जी. ए. की संरचना किस प्रकार है?

उत्तर : पी एल जी ए में निम्नलिखित तीन बल शामिल हैं:

1. मुख्य बल -
   क) कंपनियां
   ख) प्लाटून
   ग) विशेष कार्य दल (हत्या दस्ते)
   घ) आसूचना यूनिटें

2. सहायक बल -
   क) विशेष गुरिल्ला दस्ते
   ख) स्थानीय गुरिल्ला दस्ते

ग) प्लाटून
घ) जिला/मंडल स्तरीय कार्रवाई बल (हत्या दस्ते)

3. बेस फोर्स -
क) पीपल्स मिलिशिया
ख) ग्राम रक्षक दल
ग) आत्म रक्षक दल
घ) स्व-रक्षा दस्ते

अपने आधिपत्य वाले क्षेत्रों में माओवादी 'रिवोल्यूशनरी पीपल्स कमेटीज' (आर पी सी), सिविलयन प्रशासनिक मशीनरी की स्थापना करते हैं, जो एकदम प्राथमिक स्तर के कार्य करती है तथा सशस्त्र संगठनों को संभारतंत्र संबंधी सहायता भी मुहैया कराती हैं।

प्रश्न 6 : प्रमुख संगठन कौन से हैं?

उत्तर : प्रमुख संगठन मूल माओवादी पार्टी की प्रशाखाएं हैं जो विधिक जिम्मेदारी से बचने के लिए अपना अलग अस्तित्व होने का दावा करते हैं। ये प्रमुख संगठन पार्टी का प्रचार करते हैं/गलत सूचना फैलाते हैं, भूमिगत आंदोलन के लिए 'पेशेवर क्रान्तिकारियों' की भर्ती करते हैं, विद्रोह के लिए निधियां जुटाते हैं, विधिक मामलों में कॉडरों की सहायता करते हैं तथा भूमिगत कॉडरों को सुरक्षित आवास और आश्रय भी मुहैया कराते हैं। प्रमुख संगठनों के कार्यकर्ता माओवादी विचारधारा में अंतर्निहित हिंसा पर बौद्धिक मुल्लमा चढ़ाते हैं। दूसरे शब्दों में ये खूनखराबे की लीपापोती करते हैं और माओवादी विचारधारा को ऐसे प्रस्तुत करने का प्रयास करते हैं कि वह शहरी श्रोताओं और मीडिया को अच्छा लगे। ये प्रमुख संगठन भारत के 20 राज्यों में मौजूद है।

प्रश्न 7 :वे कौन से राज्य हैं जिनको वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित समझा जाता है?

उत्तर :छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेंलगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और केरल को अलग-अलग सीमा तक वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित समझा जाता है। सी पी आई (माओवादी) केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के दक्षिणी राज्यों में पैठ बना रहे हैं तथा इन राज्यों के के जरिये ये पश्चिमी घाट को पूर्वी घाट से जोड़ने की योजना बना रहे हैं। सी पी आई (माओवादी) अपनी गतिविधियों का विस्तार करने तथा कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में अपना आधार तैयार करने की योजना तैयार कर रहे हैं।

प्रश्न 8 :वामपंथी उग्रवादियों द्वारा वर्ष 2004 से कितने नागरिकों की हत्या की गई है?
उत्तर :वर्ष-वार ब्यौरा निम्न प्रकार है :

वर्ष	मारे गए नागरिक
2004	466
2005	524
2006	521
2007	460
2008	490
2009	591
2010	720
2011	469
2012	301
2013	282
2014	222
2015	171
2016	213
2017	188
2018	173
2019	150
2020	140
2021	97
2022	82

प्रश्न 9 : माओवादी नागरिकों की हत्या क्यों करते हैं?

उत्तर : माओवादी विभिन्न कारणों से नागरिकों की हत्या करते हैं। सर्वप्रथम ये उन लोगों की हत्या करते हैं जो इनके आधिपत्य वाले क्षेत्रों में इनकी विचारधारा को नहीं मानते हैं। इनको सामान्यत: 'पुलिस मुखबिरों' की संज्ञा दी जाती है। ये ग्रामीण क्षेत्रों में सत्ता और शासन में रिक्तता पैदा करने के लिए भी हत्या करते हैं तथा उस रिक्त स्थान को इनके द्वारा भरा जाता है। ये तथाकथित 'वर्ग शत्रुओं' (क्लास इनेमीज) की भी हत्या करते हैं। इन सभी

हत्याओं से परिस्थितियों की ऐसी कड़ी बन जाती है जिसमें पीड़ितों के संबंधी प्रचंड तरीके से ऐसे माओवादियों का विरोध कर सकते हैं। इससे ऐसे और बहुत से लोगों की हत्या होती है। अंतत: ऐसी स्थिति आ जाती है जिससे इनके आधिपत्य वाले क्षेत्रों में 'हत्या करने की शक्ति' ही निम्नतर और 'राजनैतिक रूप से कम जागरूक' कॉडरों के लिए निर्दोष लोगों की हत्या करने का एक मात्र कारण बन जाती है।

प्रश्न 10 : ये स्कूलों और अन्य आर्थिक महत्व की अवसंरचना पर क्यों हमला करते हैं?

उत्तर :माओवादी अपने गढ़ों में जनता को मुख्यधारा से अलग रखना चाहते हैं। स्कूलों पर इसलिए हमला किया जाता है क्योंकि शिक्षा से स्थानीय लोगों में पूछताछ करने की भावना बढ़ती है तथा साथ ही बच्चों में आजीविका के वैकल्पिक साधनों के लिए कौशलों का विकास होता है। इस तरह के विकास को माओवादी अपने अस्तित्व तथा अपनी पुरानी विचारधारा के लिए प्रबल खतरों के रूप में देखते हैं। माओवादी लोगों को भारत की मुख्यधारा से अलग रखने के लिए सड़कों तथा दूरसंचार नेटवर्क जैसी अवसंरचना को भी नष्ट करते हैं।

प्रश्न 11 :वर्ष 2010 से आर्थिक अवसंरचना पर हमलों की कितनी घटनाएं हुई हैं?
उत्तर :वर्ष-वार आंकड़े निम्न प्रकार हैं:

2010	365
2011	293
2012	214
2013	169
2014	100
2015	127
2016	79
2017	75
2018	60
2019	64
2020	47
2021	42
2022	42

प्रश्न 12 : सी. पी. आई. (माओवादी) में बड़ी संख्या में महिला कॉडर क्यों हैं?

उत्तर :छत्तीसगढ़ और झारखंड जैसे राज्यों में माओवादियों ने युवा बच्चों को शामिल करके 'बाल दस्तों' का गठन किया है। इसका उद्देश्य युवा बच्चों का विचार परिवर्तन करना और उनमें माओवादी विचारधारा पैदा करना है। अधिकांश माता-पिता अपने बच्चों से अलग होना नहीं चाहते हैं किंतु जुल्म और खतरों को देखते हुए अनेक गरीब आदिवासी माता-पिता बच्चियों से अलग होना पसंद करते हैं। माओवादियों की यह अमानवीय प्रथा माओवादी कॉडरों में बड़ी संख्या में युवा लड़कियों/महिलाओं की मौजूदगी का कारण है। सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में भी इनको आगे रखा जाता है। माओवादियों द्वारा 'पुरुष प्रधानता' का खंडन किए जाने के बावजूद पोलित ब्यूरो तथा केन्द्रीय समिति जैसे उनके शीर्ष नेतृत्व में महिलाओं की संख्या बहुत कम है।

प्रश्न 13 :वामपंथी उग्रवाद का मुकाबला करने के लिए भारत सरकार की नीति क्या है ?

उत्तर : भारत सरकार वामपंथी उग्रवाद का मुकाबला करने के लिए सुरक्षा, विकास, स्थानीय समुदायों के अधिकार एवं हकदारी सुनिश्चित करने, शासन और अवबोधन प्रबंधन में सुधार के क्षेत्रों में समग्र दीर्घकालिक नीति में विश्वास रखती है। केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती के अतिरिक्त अधिकांश सुरक्षा संबंधी उपायों का उद्देश्य राज्य बलों द्वारा क्षमता निर्माण में सहायता करना है। विकास के मोर्चे पर लोक अवसंरचना और सेवाएं मुहैया कराने के उद्देश्य से 88 प्रभावित जिलों को शामिल करके वर्ष 2010 से एक एकीकृत कार्य योजना (जिसे अब वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों के लिए अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता) कहा जाता है, कार्यान्वित की जा रही है। इसके अतिरिक्त, वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों के लिए एक महत्वाकांक्षी सड़क विकास योजना की परिकल्पना की गई है। अधिकारियों का एक अधिकार प्राप्त समूह फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की गहन रूप से निगरानी करता है। वन अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन और गौण वन उत्पादों पर स्थानीय समुदायों की हकदारी सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

प्रश्न 14:वामपंथी उग्रवाद से निपटने की राष्टीय नीति और कार्य योजना क्या है?

उत्तर : वामपंथी उग्रवाद से निपटने की राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना केन्द्रीय गृह मंत्री द्वारा अनुमोदित कर दी गई है तथा इसे कार्यान्वयन के लिए राज्यों और अन्य हितधारको (स्टेकहोल्डर्स) को भेजा गया है। सुरक्षा, विकास, स्थानीय समुदायों के अधिकारों और हकदारियों को सुनिश्चित करने, लोक अवधारणा प्रबंधन तथा सुशासन के क्षेत्रों में वामपंथी उग्रवाद की समस्या का निराकरण करने के लिए केन्द्र सरकार ने एक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया है।
राष्ट्रीय नीति एवं कार्य योजना को अंतिम रूप देने से पूर्व राज्य सरकारों सहित सभी हितधारियों (स्टेकहोल्डर्स) से परामर्श किया गया था। राज्य सरकारों तथा अन्य स्टेकहोल्डर्स के विचारों/टिप्पणियों को राष्ट्रीय नीति एवं कार्य योजना में शामिल किया गया था।

प्रश्न 15 :वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों में सुरक्षा बलों की तैनाती का स्तर क्या है?

उत्तर : वर्तमान में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्यों में पर्याप्त संख्या में केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की बटालियन तैनात हैं। आगामी वर्षों में तैनाती के स्तर में उत्तरोत्तर वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त, राज्यों ने भी वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में अपने बल तैनात किए हैं। सरकार की रणनीति का उद्देश्य वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के क्षेत्र में आई रिक्तता का निराकरण करना है।

प्रश्न 16: माओवादी विद्रोह का मुकाबला करने में सरकार के लिए मुख्य समस्याएं क्या हैं?

उत्तर: माओवादी विद्रोह को लंबे समय तक गंभीर आंतरिक सुरक्षा की समस्या के रूप में नहीं देखा गया। पिछले कुछ वर्षों में, माओवादी कुछ राज्यों में दूर-दराज के तथा अगम्य जनजातीय क्षेत्रों में अपने पैर जमाने में सफल हो गए हैं। धीरे-धीरे राज्य की शासन संस्थाएं भी ऐसे क्षेत्रों से हट गईं जिसके परिणामस्वरूप सुरक्षा और विकास के क्षेत्र में रिक्तता पैदा हो गई। यह स्थिति माओवादियों के लिए अनुकूल थी जिन्होंने इन क्षेत्रों में प्रशासन की एकदम प्राथमिक समानांतर व्यवस्था स्थापित कर ली। तथापि, पिछले कुछ वर्षों में माओवादी विद्रोह को आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती माना गया है। इसे राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में एक प्रमुख बाधा के रूप में भी देखा जाता है। अत: सरकार ने इन क्षेत्रों में

सुरक्षा और विकास की समस्याओं का निराकरण करने के लिए बहु-आयामी उपाय शुरू किए। इन उपायों से नए क्षेत्रों में माओवादी आंदोलन का विस्तार रुक गया है तथा उनके आधिपत्य वाले क्षेत्रों का विस्तार भी कम हुआ है। अब धीरे-धीरे कोर क्षेत्रों का निराकरण किया जा रहा है। यह एक चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया है, किंतु अंतत: दीर्घकाल में इसके वांछित परिणाम मिलेंगे तथा माओवादी विद्रोह का प्रभाव नगण्य रह जाएगा।

प्रश्न 17 :वामपंथी उग्रवाद के विरुद्ध एक आम नागरिक क्या कर सकता है?

उत्तर : एक आम नागरिक निम्नलिखित चीजें कर सकता है :
सी पी आई (माओवादी) तथा अन्य वामपंथी उग्रवादी गुटों द्वारा निर्दोष लोगों पर की जा रही हिंसा और बर्बर अत्याचारों की सोशल मीडिया सहित किसी भी उपलब्ध मंच (फोरम) पर निंदा करना।

पुरानी तथा राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में विफल और एकदम बेकार माओवादी विचारधारा के खतरों के बारे में देशवासियों को जानकारी देना।

भारत राष्ट्र के विरुद्ध माओवादी प्रमुख संगठनों और माओवादी विचारधारा वाले लोगों/सहानुभूति रखने वालों द्वारा किए जा रहे प्रचार युद्ध को समझना।
माओवादी विचारधारा और समझ के सर्वसत्तात्मक और दमनकारी स्वरूप के विपरीत हमारे संविधान में निर्धारित जीवन के लोकतांत्रिक तरीके को लोगों के मन में बिठाना तथा विकसित करना।

******